

शिविका स्त्री. (तत्.) 1. पालकी, डोली, शिवीरथ
2. चबूतरा 3. कुबेर का एक अस्त्र 4. अर्थी।

शिविर पुं. (तत्.) 1. सैनिक पड़ाव, छावनी 2.
खेमा 3. किला, दुर्ग 4. ऐसा स्थान जहाँ कोई
महत्वपूर्ण, बड़ा आदमी अथवा दल कुछ समय
के लिए ठहरा हो, पड़ाव 5. किसी खास प्रयोजन
के लिए आयोजित कैंप जैसे- चिकित्सा जाँच
शिविर, स्वास्थ्य जानकारी शिविर, सूचना शिविर,
राहत सेवा शिविर आदि।

शिवेतर वि. (तत्.) 1. जो शिव अर्थात् मांगलिक
न हो, अशुभ, अमांगलिक 2. शिव से भिन्न,
अलग जैसे- शिवेतर-देवता।

शिशिर वि. (तत्.) 1 शीतल, ठंडा 2. पुं. भारत में
षड्-ऋतुओं में से एक ऋतु जो माघ-फाल्गुन के
महीनों में होती है 3. शीतकाल 4. हिम, पाला
5. विष्णु 6. एक प्रकार का अस्त्र 7. सूर्य 8.
लाल चंदन।

शिशिरकर पुं. (तत्.) चंद्रमा, ठंडी किरणों वाला।

शिशिर किरण पुं. (तत्.) चंद्रमा, जिसकी किरणें
शीतल हो, शिशिर-रश्मि।

शिशिरता स्त्री. (तत्.) शिशिर का भाव/धर्म बहुत
अधिक सर्दी/ठंडापन ठंडक पुं. शिशिरत्व।

शिशिरमयूख/शिशिर रश्मि/शिशिरांशु पुं. (तत्.)
चंद्रमा।

शिशिरांत पुं. (तत्.) 1 शिशिर ऋतु की समाप्ति,
जाड़े का अंत 2. शिशिर ऋतु के अंत पर आने
वाली ऋतु वसंत ऋतु।

शिशिराक्ष पुं. (तत्.) पुराणों के अनुसार सुमेरु के
पश्चिम में स्थित एक पर्वत।

शिशिरात्यय पुं. (तत्.) शिशिरांत, जाड़े की ऋतु
की समाप्ति, शिशिरापगम।

शिशिरापगम पुं. (तत्.) जाड़े का अंत, शिशिरांत।

शिशु पुं. (तत्.) 1. बहुत छोटा बच्चा, आठ वर्ष से
नीचे की उम्र का बच्चा 2. पशु/पक्षी का बच्चा,
शावक 3. कार्तिकेय का एक नाम।

शिशु कल्याण केंद्र पुं. (तत्.) शासन अथवा किसी
संस्था, संगठन आदि द्वारा समाज हित की

दृष्टि से बहुत छोटे बच्चों की देखरेख, लालन-
पालन, भूख-पोषण आदि के लिए स्थापित
निकाय और उसका कार्यस्थल।

शिशुक पुं. (तत्.) 1. शिशुमार या सूँस नामक जल
जंतु 2. छोटा शिशु 3. एक प्रकार का वृक्ष 4.
एक प्रकार का साँप।

शिशुकायत वि. (तत्.) बच्चे की ऐसी अवस्था
जिसमें वह मानसिक या शारीरिक दृष्टि से
विकसित नहीं होता, चिरशैशव।

शिशुकृच्छ्र पुं. (तत्.) शिशु चांद्रायण व्रत जिसमें
चार पिंड (ग्रास) प्रातः और चार पिंड सायंकाल
खाकर व्रत रखा जाता है, स्वल्प चांद्रायण व्रत।

शिशु गंध स्त्री. (तत्.) मल्लिका, मोतिया।

शिशुगंधा स्त्री. (तत्.) एक प्रकार की मल्लिका।

शिशु भक्षिता स्त्री. (तत्.) नवजात अथवा बहुत
छोटे शिशुओं को मारकर उनका भक्षण करने
वाली।

शिशुबोधिनी स्त्री. (तत्.) शिशुओं को लिखना-
पढ़ना सिखाने से पहले, उन्हें अक्षर ज्ञान, अक्षरों
की पहचान, उनका उच्चारण, रंगों की पहचान,
चित्र आदि से पशु-पक्षियों वस्तुओं की पहचान
करनाने वाली पुस्तिकाएँ।

शिशु भाषा स्त्री. (तत्.) 1. सामान्यतः पाँच वर्ष के
लगभग आयु के बालकों के शिक्षणार्थ प्रयुक्त
सरल भाषा 2. छोटे शिशुओं द्वारा मुख्यतः
अनुकरण से बोलना सीखने की प्रक्रिया के दौरान
उनके द्वारा प्रयुक्त भाषा।

शिशुमार पुं. (तत्.) 1. सूँस नामक जलजंतु 2.
कृष्ण 3. विष्णु 4. सौर जगत 5. मगर या सूँस
की आकृति का नक्षत्र मंडल।

शिशु पुं. (तत्.) पुरुष की जनेंद्रिय, पुरुष का
उपस्थ, लिंग।

शिशुनोदर पुं. (तत्.) पुरुष का लिंग और पेट लाक्ष.
काम-वासना और भोजन की वासना।

शिशुनोदर परायण वि. (तत्.) कामुक और उदरंभरि,
लंपट और पेटू, कामी और पेटू, केवल काम-
वासना और भोजन-वासना वाला।